IJCRM
International Journal of Contemporary Research In Multidisciplinary

Research Article

भारत- इजराइल सम्बन्धों का रणनीतिक महत्व: एक मूल्यांकन

डॉ. संजय गौतम
सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्नातजिक अध्ययन विभाग, शिवहर्ष किसान पी. जी. कॉलेज, बस्ती, उत्तर प्रदेश ,भारत

Corresponding Author: * डॉ. संजय गौतम

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.18690970

सारांश

यह शोध-पत्र भारत और इज़रायल के मध्य विकसित होते संबंधों का ऐतिहासिक एवं समकालीन विश्लेषण प्रस्तुत करता है। प्रारंभिक वर्षों में भारत की विदेश नीति फिलीस्तीन समर्थक दृष्टिकोण से प्रभावित रही, जिसके कारण इज़रायल के साथ औपचारिक संबंधों की स्थापना में विलंब हुआ। किंतु शीत युद्ध की समाप्ति, वैश्विक शक्ति-संतुलन में परिवर्तन तथा भारत की रणनीतिक आवश्यकताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा प्रदान की। विशेषतः 1992 के बाद से दोनों देशों के मध्य रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, प्रौद्योगिकी तथा आतंकवाद-निरोध के क्षेत्रों में उल्लेखनीय सहयोग विकसित हुआ है।
वर्तमान अध्ययन में नेहरू युग से लेकर समकालीन काल तक की नीतिगत निरंतरता एवं परिवर्तन का विश्लेषण किया गया है। साथ ही, उच्च स्तरीय यात्राओं, रक्षा सौदों तथा सामरिक समझौतों के माध्यम से उभरती साझेदारी की प्रकृति को स्पष्ट किया गया है। शोध का निष्कर्ष यह संकेत करता है कि भारत-इज़रायल संबंध अब केवल सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुके हैं, जो क्षेत्रीय एवं वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 11-08-2025
- **Accepted:** 28-9-2025
- **Published:** 30-10-2025
- **IJCRM:**4(5); 2025: 621-625
- **©2025, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

डॉ. संजय गौतम. भारत- इजराइल सम्बन्धों का रणनीतिक महत्व: एक मूल्यांकन. Int J Contemp Res Multidiscip. 2025;4(5):621-625.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: भारत-इज़रायल संबंध, विदेश नीति,रक्षा सहयोग, सामरिक साझेदारी, पश्चिम एशिया।

प्रस्तावना

भारत एशिया में इजरायल का दूसरा और वैश्विक स्तर पर सातवां सबसे बड़ा व्यापारिक एवं रणनीतिक साझेदार है। कुछ वर्षों में भारत .इजराइल के संबंधों में इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और उच्च तकनीक वाले उत्पाद चिकित्सा उपकरणएसंचार एवं रक्षा प्रणाली आदि जैसे क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई है।1 दोनों देशों ने 2022 की शुरुआत में द्विपक्षीय संबंधों के पूर्ण राजनयिक संबंधों में के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध मैत्रीपूर्ण हैं। दोनों पक्षों के बीच उच्च स्तरीय आदान.प्रदान और मंत्रिस्तरीय यात्राओं में वृद्धि से विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार हुआ है।2दोनों देशों के बीच संबंध वर्ष 1950 में शुरू हुए और आगे इजराइल सरकार ने मुंबई में कार्यालय स्थापित किया। इसके अलावाएअप्रवासी कार्यालय को एक व्यापार कार्यालय में बदल दिया गया और भारत को देश में व्यापार संचालन की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई। भारत इजराइल को 17 सितंबर 1950 को आधिकारिक तौर पर एक राष्ट के रूप में मान्यता दी थी। भारत द्वारा इस्राइल को मान्यता दिए जाने के

© 2025 डॉ. संजय गौतम. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

बादए भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था किए हमने इसराइल को मान्यता दी है बहुत पहलेए क्योंकि इज़राइल एक सच्चाई है। हमने अरब देशों में अपने दोस्तों की भावनाओं को ठेस न पहुँचाने की अपनी इच्छा के कारण परहेज किया।3 1953 मेंए इज़राइल को बॉम्बे में एक वाणिज्य दूतावास खोलने की अनुमति दी गई थी। दशकों की गुटनिरपेक्ष और अरब.समर्थक नीति के बादए भारत ने औपचारिक रूप से इज़राइल के साथ संबंध स्थापित किए जब उसने जनवरी 1992 में तेल अवीव में एक दूतावास खोला। दोनों देशों के बीच संबंध तब से फले.फूले हैं।दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार फार्मास्यूटिकल्सए कृषिए आईटी और दूरसंचार तथा मातृभूमि सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों में आज विविधतापूर्ण हो गया है। भारत इजरायल के लिए अहम देश बना हुआ है।4अप्रैल 2000.सितंबर 2023 के दौरान भारत में एफडीआई प्रवाह 286.15 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। स्टार्ट.अप और टेक इकोसिस्टम में निवेश काफी महत्वपूर्ण हो गया है। 2021 तक भारतीय परियोजनाओं में कुल इज़रायली निवेश का मूल्य 270 मिलियन अमेरिकी डॉलर हैए जिसमें स्वच्छ ऊर्जाए जल प्रबंधन और स्वास्थ्य क्षेत्रों में टेवा फार्मास्यूटिकल्सए इकोपिया और नान दान जैन शीर्ष तीन उल्लेखनीय निवेशक हैं। भारत इजरायल से सैन्य उपकरणों का सबसे बड़ा खरीदार हैएजो बदले मेंए रूस केबाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है।5 पिछले दशक में इजरायल और भारत के बीच संबंध और भी घनिष्ठ हुए हैं और दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण रणनीतिकए सैन्य और प्रौद्योगिकी साझेदारियां बनाई हैं। जिसमें मई 2023 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किएए जिसके तहत 42,000 भारतीय श्रमिकों को निर्माण और नर्सिंग के क्षेत्र में में काम करने की अनुमति मिलेगी।6भारत के विदेश मंत्री श्री एसण् जयशंकर और उनके भारत दौरे पर आए विदेश मंत्री श्री एली कोहेन ने मई 2023 में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा कीए जिसमें रक्षाए सुरक्षाए जल और कृषि में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है।भारत और इजराइल के बीच संबंध अच्छे हैं और दोनों देश अपने व्यापारिक संबंधों के मामले में एक दूसरे का समर्थन करते हैं। भारत इजराइल का तीसरा सबसे बड़ा एशियाई साझेदार हैएजो दर्शाता है कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंध हैं।7 इजराइल भारत को कच्चा तेल निर्यात करता है और व्यापार से भारी मात्रा में लाभ कमाता है। दोनों देशों के बीच संबंध प्रभावी हैं और दोनों देश अपने बीच प्रभावी संबंध बनाए रखने के लिए एक.दूसरे की व्यापार नीतियों का समर्थन करते हैं तथा तकनीक से लेकर रक्षा तकए तमाम क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग के चलते तकनीक के दो महारथी देशोंए भारत और इज़राइल के बीच संभावित साझेदारी के नए अवसर खुल रहे हैं।8 इज़राइल के रक्षा मंत्री बेंजामिन गैंट्ज ने भारत दौरा पूरा कियाएजिसका लंबे समय से इंतज़ार हो रहा थाण् इज़राइल के रक्षा मंत्री के भारत दौरे के दौरानए दोनों देशों ने अपने रक्षा सहयोग का दायरा बढ़ाने का फ़ैसला किया है। अब दोनों देश उभरती हुई तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करेंगेण् बेनी गैंट्ज और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ष्भारत. इज़राइल रक्षा सहयोग के दृष्टिकोण पत्रष् पर दस्तख़त किएण् इसके ज़रिए आने वाले दस वर्षों में आपसी तालमेल के दस नए क्षेत्रों की पहचान करने की व्यापक रूपरेखा तैयार की जाएगीण् दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने भविष्य की रक्षा तकनीकों में सहयोग को बढ़ाने के ष्लेटर ऑफ़ इंटेंटष् पर भी हस्ताक्षर किए गये हैण्भारत और इज़राइल के तकनीकी सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की इस पहल से पहले ही दोनों देश रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में काफ़ी सहयोग कर रहे हैंण् इसके तहत हथियारों की ख़रीद. फ़रोख़्तए सेनाओं के बीच तालमेल और आतंकवाद से मुक़ाबले में सहयोग शामिल है।9 भारत और इजरायल के बीच आर्थिक एवं वाणिज्यिक व्यापारिक संबंध 1992 में 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2022.2023 के दौरान 10.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर ;रक्षा को छोड़करद्ध हो गयाए जिसमें व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है।इजराइल को भारत द्वारा किए जाने वाले प्रमुख निर्यातरू मोतीए कीमती पत्थरए ऑटोमोटिव डीजलए रसायनए मशीनरीए विद्युत उपकरणए प्लास्टिकए वस्त्रए धातु और कृषि उत्पाद।इजराइल द्वारा भारत को किये जाने वाले प्रमुख निर्यात: मोती, कीमती पत्थर, रसायन, मशीनरी, विद्युत उपकरण, पेट्रोलियम तेल, रक्षा संबंधी सामान और परिवहन उपकरण सामील है तथा भारत इजराइल संबंधों के रणनीतिक महत्व का आधार आतंकवादियों से निपटने पर केंद्रित हैं।10

रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग का रणनीतिक महत्व:

भारत ने अपनी सीमा की सुरक्षा और आतंकवाद से मुक़ाबले के लिए इज़राइल की तकनीक और हथियारों पर ज़्यादा भरोसा दिखाया हैण् इसके चलतेए पिछले एक दशक के दौरान भारतए इज़राइल में बने हथियारों का सबसे बड़ा ग्राहक बन गया है और इस मामले में उसने अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया हैए11 जो पश्चिमी एशिया में इज़राइल का मुख्य सहयोगी हैण्इज़राइल के सेंसरए हेरोन ड्रोनए हाथ में पकड़कर चलाए जा सकते वाले थर्मल इमेजिंग के उपकरणों और रात में देखने में मदद करने वाले औज़ारों ने भारत को नियंत्रण रेखा के उस पार से घुसपैठ रोकने और कश्मीर घाटी में आतंकवाद के ख़िलाफ़ अभियानों में काफ़ी मदद दी हैण्भारत के हथियार ख़रीदने से इज़राइल के रक्षा उद्योग को हथियारों के एक बड़े बाज़ार तक पहुंच बनाने में काफ़ी मदद मिली है।12 भारत के रक्षा बाज़ार तक पहुंचए इज़राइल के रक्षा उद्योग के लिए तब और भी अहम हो जाती हैए जब हम ये देखते हैं कि चीन की सेना की बढ़ती ताक़त को देखते हुए अमेरिका ने 1990 के आख़िरी वर्षों से लेकर 2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में इज़राइल द्वारा चीन को अपने हथियार बेचने को बार बार वीटो कर दिया थाण्भारत और इज़राइल ने राजनयिक सम्बन्धों की स्थापना के बाद से सैन्य और खुफिया उद्यमों में सहयोग को सक्रिय रूप से बढ़ाया है।13 दोनों राष्ट्रों में इस्लामी चरमपन्थी आतंकवाद के उदय ने दोनों के बीच एक मजबूत रणनीतिक गठबन्धन उत्पन्न किया है। 2008 मेंए भारत ने अपने भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन के माध्यम से इज़रायल के लिए एक सैन्य उपग्रह टेकसार को लॉन्च किया।14 1996 में भारत ने इज़राइल से 32 IAI खोजकर्ता मानवरहित हवाई वाहन (UAV), इलेक्ट्रॉनिक समर्थन उपाय सेंसर और एक एयर कॉम्बैट Manoeuvering इंस्ट्रूमेंटेशन सिम्युलेटर सिस्टम खरीदा तब से इज़राइल एयरोस्पेस इण्डस्ट्रीज (IAI) ने भारतीय वायु सेना के साथ कई बड़े अनुबन्ध किए हैं, जिसमें (IAI) के रूसी निर्मित मिग.21 ग्राउण्ड अटैक एयरक्राफ्ट का उन्नयन और मानव रहित हवाई वाहनों के साथ.साथ लेजर.निर्देशित बमों की बिक्री भी शामिल है।(१५) 1997 में, इज़राइल के राष्ट्रपति एज़र वीज़मैन भारत का दौरा करने वाले इजरायल के पहले प्रमुख बने। उन्होंने भारतीय राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्माए उपराष्ट्रपति के॰ आर॰ नारायणन और

© 2025 डॉ. संजय गौतम. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रधानमन्त्री एच॰ डी॰ देवेगौड़ा के साथ मुलाकात की। वेइज़्मैन ने दोनों देशों के बीच पहले हथियारों के सौदे पर बातचीत कीए जिसमें बराक 1 को इज़रायल से खड़ी सतह से हवा (एस.ए.एम.) मिसाइलों की खरीद शामिल थी।16 बराक .1 में हार्पून जैसी जहाज रोधी मिसाइलों को रोकने की क्षमता है। भारतए इज़राइल से जो हथियार ख़रीदता हैए उनमें मानवरहित विमानए मिसाइलें और रडार सिस्टम प्रमुख है। भारत ने अब तक इज़राइल से (2001.2021) 4.2 अरब डॉलर में ये हथियार ख़रीदे हैंइसमें कोई शक नहीं कि इन हथियारों ने भारत की निगरानी और अभियान चलाने की क्षमता को काफ़ी मज़बूत बनाया है 17, ख़ास तौर से कश्मीर घाटी और सीमावर्ती इलाक़ों मेंण् मिसाल के तौर परए इज़राइल के सेंसरए हेरोन ड्रोनए हाथ में पकड़कर चलाए जा सकते वाले थर्मल इमेजिंग के उपकरणों और रात में देखने में मदद करने वाले औज़ारों ने भारत को नियंत्रण रेखा के उस पार से घुसपैठ रोकने और कश्मीर घाटी में आतंकवाद के ख़िलाफ़ अभियानों में काफ़ी मदद दी है।18 इसी तरह पिछले साल मार्च में भारत ने इज़राइल के हवाई उद्योग (IAI) से चार हेरोन ड्रोन पट्टे पर लिए थेए ताकि चीन के साथ सीमा पर तनातनी के दौरानए उन्हें वास्तविक नियंत्रण रेखा की व्यापक निगरानी के लिए तैनात किया जा सके।19

रक्षा तकनीक में सहयोग

रक्षा व्यापार से इतरए भारत और इज़राइलए रक्षा तकनीक के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ा रहे हैंण् उनकी कामयाबी का प्रतीक बराक.8 हवाई और मिसाइल डिफेंस सिस्टम हैण् इसे इज़राइल के एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़ (IAI) और भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने मिलकर विकसित किया हैण् बराक.8 डिफेंस सिस्टम के ज़मीन और समुद्र में तैनात किए जाने विकल्प उपलब्ध हैंण् ये मिसाइल डिफेंस सिस्टमए सीमा की तरफ़ आ रहे लड़ाकू विमानए ड्रोनए बैलिस्टिक और क्रूज़ मिसाइलों जैसे लक्ष्यों का 150 किलोमीटर दूर से पता लगा सकता है, 20 इसके अलावा IAI इस वक़्त हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के साथ मिलकर सेकेंड हैंड बोईंग.767 नागरिक विमानों को भारतीय वायुसेना के लिए हवा में ईंधन भरने वाले विमानों में तब्दील कर रही है बराक.8 हवाई और मिसाइल डिफेंस सिस्टम है, इसे इज़राइल के एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़ (IAI) और भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने मिलकर विकसित किया हैण् बराक.8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की कामयाबी के बाद भारत और इज़राइल ने रक्षा उद्योग में सहयोग के लिए एक द्विपक्षीय उप.कार्यकारी समूह स्थापित किया है, 21 उम्मीद की जा रही है कि इस समूह के ज़रिए द्विपक्षीय इज़राइल से और रक्षा तकनीकें भी भारत को हासिल होंगी दोनों देश आपसी संसाधनों का उपयोग बढ़ाएंगे और अपनी औद्योगिक क्षमताएं साझा करेंगे।22 रक्षा और सुरक्षा के उद्देश्य से दोनों देशों के बीच संबंध प्रभावी हैं और भारत इजरायल से महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकें आयात करता है। दोनों देशों के बीच नियमित रूप से सशस्त्र बलों का आदान.प्रदान होता है और जहाजों का आदान.प्रदान होता है।23 दोनों देश जनता की सुरक्षा के लिए आतंकवाद को कम करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। वर्ष 2014 में दोनों देशों ने अपराध के मामले में आपसी कानूनी सहायता के लिए तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते का उद्देश्य आतंकवाद के कारण किसी भी समस्या का सामना करने की स्थिति में एक.दूसरे को सहायता प्रदान करना है। भारत तथा इज़राइल में आतंकवाद के बढ़ने के साथ ही भारत तथा इज़राइल के सम्बन्ध भी मजबूत हुए।25 अब तक भारत ने इज़राइल के लगभग 8 सैन्य उपग्रहों को भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन के माध्यम से प्रक्षेपित किया है।भारतए इज़रायल से सैन्य उपकरण का सबसे बड़ा प्रतीक हैए जो बदले में रूस के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता है।भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पिछले कुछ वर्षों में इजरायली हथियार हमलों की एक विस्तृत श्रृंखला को अपने बेड़े में शामिल किया हैए जिसमें फाल्कनए अवाक्सए ;एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टमद्ध और हेरॉनए सर्चर.प्प् और असॉर्प सुपरवाइजरए बराक एंटी. मिसाइल डिफेंस शामिल हैं। सिस्टम एवं स्पाइडर क्विक.रिएक्शन एंटी.एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम शामिल हैं।इस प्राप्ति में कई इज़रायली मिसाइलें और मिसाइल.निर्देशित युद्ध सामग्री भी शामिल हैए जिसमें लाहौल और डर्बी हवा.से.हवा में मार करने वाली मिसाइलें लेकर क्रिस्टल मेज़ ;क्रिस्टल भूलभुलैयाद्ध और स्पीप्स.2000 बम ;स्पाइस.2000 बम शामिल हैं। हैं।26भारत और इज़रायल के बीच संयुक्त कार्य समूह (JWG) की 15वीं बैठक में सहयोग के नए क्षेत्र की पहचान करने के लिए एक व्यापक 10 वर्षीय रोडमैप तैयार करने के लिए टास्क फोर्स बनाने पर सहमति की बात कही गई।दोनों देश आतंकवाद.रोधी संयुक्त कार्य समूह सहित सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग कर रहे हैं ।भारतीय सशस्त्र बल इजरायली फाल्कन (AWACS) एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टमद्ध और हेरॉन ड्रोन से लेकर बराक एंटी.मिसाइल डिफेंस सिस्टम का उपयोग करते हैं।मेक इन इंडिया में भागीदारीए इज़रायली रक्षा कंपनियों आईएआईए एल्बिट सिस्टम्स और राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने विशेष उप.प्रणालियों के निर्माण और मातृभूमि की सुरक्षा प्रणालियों कोबढ़ाने के लिए भारतीय कंपनियों भारत फोर्जए टेक महिंद्राए अडानी ग्रुप और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ साझेदारी स्थापित की है।भारत इजरायल से महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकी आयात करता है। इजरायल के रक्षा निर्यात का लगभग 41% भारत को होता है।27 भारतीय सशस्त्र बल इजरायली फाल्कन AWACS एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टमद्ध ए हेरॉन ड्रोन से लेकर बराक एंटी.मिसाइल डिफेंस सिस्टम तक का इस्तेमाल करते हैं। भारत और इजरायल ने आतंकवाद निरोध पर संयुक्त कार्य समूह भी स्थापित किया है । कश्मीर मुद्दे (मुख्य रूप से पाकिस्तान) परए इजरायल भारत के साथ खड़ा रहा हैए चाहे वह महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी दे रहा हो या युद्ध के दौरान हथियार। भारत इज़राइल के बीच रक्षा तकनीक के सहयोग में अपार संभावनाएं हैं और यह और भी बढ़ने वाला है। भारत और इज़राइल रक्षाए कृषिए प्रौद्योगिकी और आतंकवाद निरोध सहित विभिन्न क्षेत्रों में एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी विकसित करने में कामयाब रहे हैं। दोनों देशों को साझा आधार खोजने और अपने द्विपक्षीय संबंधों में आने वाले मुद्दों को संबोधित करने पर काम करने की आवश्यकता बल दिया है।28 इजरायल.भारत की 30वीं वर्ष गाँठ पर एक संयुक्त घोषणापत्र पेश किया गया।इसमें घोषणा की गई कि रक्षा निगम को रणनीतिक करने के लिए दोनों देशों का विस्तार दोगुना करना है।दोनों तरफ ने भारत. इजरायल रक्षा सहायताए वास्तुकला के आधार पर ढाँचे को और आर्किटेक्चर करने के लिए भारत- इजरायल विजन को जोड़ा।दोनों देशों ने स्थिर सैन्य आक्रमण की समीक्षा कीए जिसमें कोविड. 19

© 2025 डॉ. संजय गौतम. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

महामारी के खुलासे के बाद भी वृद्धि हुई।29 उन्होंने भविष्य की रक्षा सह.निर्माण में अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की।दोनों इंजीनियरों ने कई रणनीतिक और रक्षा एजेंसियों पर रणनीतिक और अभिसारण को मंजूरी दे दी है।उन्होंने सभी मंचों पर सहयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की शुरुआत की।30

निष्कर्ष

भारत. इजराइल संबंधों के मूल्यांकन से हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि भारत और इजरायल के बीच रणनीतिक संबंधों हैं से दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते से मौजूदा सहयोग को काफी बढ़ावा मिला है। रणनीतिक साझेदारी में संबंधों के बढ़ने से इस उभरते सहयोग का और अधिक नए क्षेत्रों में विस्तार हुआ है। भारत.इजरायल संबंधों के विषय पर बताया गया हैए उन देशों का संबंध जो हर हालत में एक दूसरे के साथ काम करते हैं और एक दूसरे की सहयोग करते हैं। इसके अलावाए दोनों देश आर्थिक क्षेत्रोंए राजनीतिक क्षेत्रों और रक्षा क्षेत्रों में जब भी जरूरत होती है एक दूसरे की सहयोग करते हैं। भारत इजरायल का तीसरा सबसे बड़ा एशियाई साझेदार है जो भारत और इजरायल के बीच संबंधों को दर्शाता है। इसके अलावाए इजरायल वह देश है जो तेल का उत्पादन करता है और भारत अनाज का उत्पादन करता है। दोनों देश जब भी जरूरत होती है एक दूसरे की मदद करते हैं। देशों के बीच संबंध 1950 में शुरू हुए और कुछ समय बादए इजरायल सरकार ने मुंबई में कार्यालय स्थापित किया। 2017 मेंए भारतीय प्रधान मंत्री ने दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के लिए इजरायल का दौरा किया है। दोनों देशों के बीच संबंधित संबंध हैं जो अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद करते हैं। इजरायल भारत को एक रक्षा प्रणाली देकर सहयोग करता है जो इन देशों के बीच प्रगाढ़ संबंध बनाने में सहयोग भी करता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. शर्मा पी, जगदीश. भारत और इसराइल संबंधों का विकास: एक अध्ययन. भारतीय इतिहास कांग्रेस की कार्यवाही. 1992;53:59-597.
2. वैष्णवी राहुल. इजरायली तकनीक के साथ भारतीय खेती में क्रांति लाना. याहू न्यूज़. 2014 मार्च 2.
3. उपाध्याय जे बंदो. भारत की विदेश नीति का निर्माण. नई दिल्ली: एलाइड पब्लिशिंग; 2003. पृ. 38.
4. त्रिपाठी स्मिता. फिलीस्तीन के प्रति भारत की नीति: एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य. इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस. 2013;74(1):124-138.
5. रघुवंशी विवेक. भारत, इजरायल ने रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की. डिफेंस न्यूज़. 2014 जुलाई 3.
6. खन्ना वीएन. भारत की विदेश नीति. नोएडा: विकास पब्लिशिंग हाउस; 2018. पृ. 36.
7. आइचनर इटमार. समर्थन और ड्रोन आपूर्ति: भारत के इज़राइल के साथ घनिष्ठ संबंध. Ynet. 2024 जून 22.
8. कीनोन हर्ब. नेतन्याहू ने भारतीय प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक यात्रा की सराहना की. जेरूसलम पोस्ट. 2017 जून 25.
9. फेडरमैन जोसेफ. भारत के नेता ने इजरायल की ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत की. वाशिंगटन पोस्ट. 2017 जुलाई 5.
10. कुमारस्वामी आरपी. भारत इजराइल की मान्यता. मध्य पूर्वी अध्ययन. 1995;31:124-138.
11. सिंह राजन एस. भारत और इसराइल: आर्थिक सहयोग की ओर. भारतीय त्रैमासिक. 2001;57(4):113-148.
12. श्रीवास्तव आरके. इंडिया-इजराइल रिलेशंस. द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस. 1970;31(4):238-264.
13. कपूर मानवी. नेहरू से मोदी तक इजरायल और फिलिस्तीन के साथ भारत के संबंध कैसे बदले. क्वार्ट्ज इंडिया. 2021 मई 21.
14. कुमारस्वामी पीआर. भारत की नई इज़राइल नीति. SWP. 2019 मार्च 1.
15. खन्ना वीएन. भारत की विदेश नीति. नोएडा: विकास पब्लिशिंग हाउस; 2018. पृ. 36.
16. पंडित रजत. आईएएफ अपने बेड़े में दो और इजरायली एडब्लूएसीएस जोड़ेगी. टाइम्स ऑफ इंडिया. 2011 नवंबर 8.
17. कामिन डेबरा. भारत इजरायल से जल प्रबंधन के सबक लेना चाहता है. न्यूयॉर्क टाइम्स. 2013 जून 12.
18. हारेल अमोस. सिस्टर्स इन आर्म्स: द बर्गनिंग डिफेंस ट्रेड बिटवीन इजरायल एंड इंडिया. हारेत्ज़. 2014 फरवरी 22.
19. वैष्णवी राहुल. इजरायली तकनीक के साथ भारतीय खेती में क्रांति लाना. याहू न्यूज़. 2014 मार्च 2.
20. रघुवंशी विवेक. भारत, इजरायल ने रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की. डिफेंस न्यूज़. 2014 जुलाई 3.
21. एनसी बिपिंद्र. आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बीच मोदी ने भारत-इजरायल संबंधों को पुनर्जीवित किया. ब्लूमबर्ग. 2014 नवंबर 19.
22. फरतियाल संकल्प. भारत ने इजरायल के साथ विकसित लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया. रॉयटर्स. 2015 दिसंबर 30.
23. कीनोन हर्ब. जेरूसलम में भारतीय विदेश मंत्री: इजरायल के साथ संबंध भारत के लिए 'सबसे महत्वपूर्ण' हैं. जेरूसलम पोस्ट. 2016 जनवरी 18.
24. ज़िटुन योआव. भारत ने बराक 8 मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया. वाईनेट न्यूज़. 2016 सितंबर 20.
25. बसु नयनिमा. भारत ने पाकिस्तान से आतंकवाद को रोकने में इजरायल की मदद मांगी. हिंदू बिजनेस लाइन. 2016 नवंबर 15.
26. रघुवंशी विवेक. भारत राफेल से स्पाइक एंटी-टैंक मिसाइल खरीदेगा. डिफेंस न्यूज़. 2017 मार्च 27.

© 2025 डॉ. संजय गौतम. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

27. इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज. भारत के साथ 2 बिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा. वाईनेट न्यूज़. 2017 अप्रैल 6.
28. राउत हेमत कुमार. इजरायली स्पाइडर मिसाइल का सफल परीक्षण. द न्यू इंडियन एक्सप्रेस. 2017 मई 12.
29. अहरोनहेम अन्ना. भारतीय प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक दौरे से पहले भारतीय नौसेना के जहाज हाइफा बंदरगाह पर पहुंचे. जेरूसलम पोस्ट. 2017 मई 10.
30. रघुवंशी विवेक. भारत, इजरायल ने छोटे हथियारों के उत्पादन के लिए साझेदारी की. डिफेंस न्यूज़. 2017 मई 10.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

© 2025 डॉ. संजय गौतम. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/